NEERAJ®

सामाजिक विज्ञान

(Social Science)

N-213

Chapter wise Reference Book Including MCQ's & Many Solved Sample Papers

Based on

N.I.O.S. *Class – X*

National Institute of Open Schooling

By :
Ved Prakash Sharma

NEERAJ PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 400/-

CONTENTS

सामाजिक विज्ञान
(Social Science)

Based on: **NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING – X**

S.No.	*Chapters*	*Page*
	Solved Sample Paper - 1	**1–8**
	Solved Sample Paper - 2	**1–8**
	Solved Sample Paper - 3	**1–8**
	Solved Sample Paper - 4	**1–9**
	Solved Sample Paper - 5	**1–8**

S.No.	*Chapter*	*Page*
	मॉड्यूल–I भारत तथा विश्व विभिन्न युगों में INDIA AND THE WORLD THROUGH THE AGES	
0.	सामाजिक विज्ञान की प्रस्तावना (Introduction to Social Science)	1
1.	प्राचीन विश्व (Ancient World)	6
2.	मध्यकालीन विश्व (Medieval World)	16
3.	आधुनिक विश्व–I (Modern World – I)	23
4.	आधुनिक विश्व–II (Modern World – II)	34

S.No.	Chapter	Page
5.	भारत पर ब्रिटिश शासन का प्रभाव : आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक (1757-1857) (Impact of British Rule on India: Economic, Social and Cultural (1757-1857))	43
6.	औपनिवेशिक भारत में धार्मिक एवं सामाजिक जागृति (Religious and Social Awakening in Colonial India)	53
7.	ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लोकप्रिय जन प्रतिरोध (Popular Resistance to the British Rule)	63
8.	भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन (Indian National Movement)	70
	मॉड्यूल–II प्राकृतिक पर्यावरण, संसाधन एवं विकास NATURAL ENVIRONMENT, RESOURCES AND DEVELOPMENT	
9.	भारत का भौतिक भूगोल (Physiography of India)	81
10.	जलवायु (Climate)	90
11.	जैव विविधता (Bio-Diversity)	96
12.	भारत में कृषि (Agriculture in India)	102
13.	यातायात तथा संचार के साधन (Transport and Communication)	108
14.	जनसंख्या हमारा प्रमुख संसाधन (Population: Our Greatest Resource)	118
	मॉड्यूल–III लोकतंत्र की कार्यप्रणाली DEMOCRACY AT WORK	
15.	संवैधानिक मूल्य तथा भारत की राजनीतिक व्यवस्था (Constitutional Values and Political System in India)	125

S.No.	Chapter	Page
16.	मौलिक अधिकार तथा मौलिक कर्त्तव्य (Fundamental Rights and Fundamental Duties)	133
17.	भारत एक कल्याणकारी राज्य (India : A Welfare State)	142
18.	स्थानीय शासन तथा क्षेत्रीय प्रशासन (Local Government and Field Administration)	148
19.	राज्य स्तर पर शासन (Governance at the State Level)	156
20.	केन्द्रीय स्तर पर शासन (Governance at the Union Level)	164
21.	राजनीतिक दल तथा दबाव समूह (Political Parties and Pressure Groups)	173
22.	जनता की सहभागिता तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया (People's Participation in the Democratic Process)	180
	मॉड्यूल–IV समसामयिक भारत : मुद्दे एवं चुनौतियाँ (CONTEMPORARY INDIA: ISSUES AND GOALS)	
23.	भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ (Challenges to Indian Democracy)	188
24.	राष्ट्रीय एकीकरण तथा पंथनिरपेक्षता (National Integration and Secularism)	194
25.	सामाजिक आर्थिक विकास तथा अभावग्रस्त समूहों का सशक्तिकरण (Socio-Economic Development and Empowerment of Disadvantaged Groups)	199
26.	पर्यावरणीय क्षरण तथा आपदा प्रबन्धन (Environmental Degradation and Disaster Management)	208
27.	शांति और सुरक्षा (Peace and Security)	213

■■

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

Solved Sample Paper - 1

Based on NIOS (National Institute of Open Schooling)

सामाजिक विज्ञान– X

N-213

(Social Science-X)

समय : 3 घंटे] **[कुल अंक : 100**

निर्देश: *(i)* इस प्रश्न–पत्र में कुल 51 प्रश्न हैं। *(ii)* सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। *(iii)* खण्ड–'अ' के प्रश्न *(a)* प्र.सं. 1 से 20 तक – 1 अंक वाले बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। दिये गये चार विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प को चुनें तथा लिखें। कुछ प्रश्नों में आंतरिक चयन की सुविधा दी गयी है। आपको ऐसे दो विकल्पों में से केवल एक प्रश्न करना है। *(b)* प्र.सं. 21 से 35 तक 2 अंक वाले वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों का उत्तर प्रश्नों के साथ दिये गये निर्देशों के अनुसार दीजिये। *(iv)* खण्ड–'ब' के प्रश्न *(a)* प्र.सं. 36 से 41 तक 2 अंक वाले अति लघूत्तरीय प्रकार के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 से 50 शब्दों में दीजिये। इन प्रश्नों का उत्तर प्रश्नों के साथ दिये गये निर्देशों के अनुसार दीजिए। *(b)* प्र.सं. 42 से 47 तक 3 अंक वाले लघूत्तरीय प्रकार के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 से 80 शब्दों में दीजिए। *(c)* प्र.सं. 48 से 49 तक कौशल (मानचित्र) पर आधारित 4 अंक वाले प्रश्न हैं (दृष्टिबाधित छात्रों हेतु मानचित्र पर आधारित प्रश्नों के स्थान पर वैकल्पिक प्रश्न दिये गये हैं।) *(d)* प्र.सं. 50 से 51 तक 6 अंक वाले दीर्घोत्तरीय प्रकार के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 से 120 शब्दों में दीजिए।

खंड-अ

प्रश्न 1. *(i)* किसकी नीति को 'खून और लोहे' की नीति के नाम से जाना जाता है?

(क) कैंसर विलियम प्रथम (ख) ऑटो वॉन बिस्मार्क
(ग) नेपोलियन बोनापार्ट (घ) लुइस सोलहवाँ

उत्तर–(ख) ऑटो वॉन बिस्मार्क।

अथवा

***(ii)* नेपोलियन तृतीय किस देश का राजा था?**

(क) जर्मनी (ख) ऑस्ट्रिया
(ग) हंगरी (घ) फ्रांस

उत्तर–(घ) फ्रांस।

प्रश्न 2. *(i)* प्लासी के युद्ध के बाद मीर जाफर को बंगाल का नवाब क्यों बनाया गया था?

(क) क्योंकि वह एक अच्छा राजा था
(ख) क्योंकि उसने अंग्रेजों को बहुत सारा धन दिया था
(ग) क्योंकि वह एक महान योद्धा था
(घ) क्योंकि अंग्रेज उससे डरते थे

उत्तर–(ख) क्योंकि उसने अंग्रेजों को बहुत सारा धन दिया था।

अथवा

***(ii)* बक्सर की लड़ाई क्यों हुई थी?**

(क) क्योंकि मीर कासिम अवध के नवाब के साि मिल गया था
(ख) क्योंकि मीर कासिम दिल्ली के बादशाह के साथ मिल गया था
(ग) क्योंकि मीर कासिम अंग्रेजों के खिलाफ साजिश रच रहा था
(घ) यह सभी

उत्तर–(घ) यह सभी।

प्रश्न 3. निम्न में से कौन-सा बाँध नर्मदा नदी पर बनाया गया है?

(क) नागार्जुन सागर बाँध (ख) सलाल बाँध
(ग) भाखड़ा नांगल बाँध (घ) सरदार सरोवर बाँध

उत्तर–(क) नागार्जुन सागर बाँध।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से कौन स्वामी विवेकानंद के गुरु थे?

(क) शंकराचार्य (ख) गौड़ापादाचार्य
(ग) रामकृष्ण परमहंस (घ) हरिसेन

उत्तर–(ग) रामकृष्ण परमहंस।

प्रश्न 5. 1813 में बॉम्बे-दक्कन में थॉमस मुनरो द्वारा निम्नलिखित में से किस भू-राजस्व नीति को लागू किया गया?

(क) स्थायी बंदोबस्त (ख) महालवारी व्यवस्था
(ग) रैयतवारी व्यवस्था (घ) इजारेदारी व्यवस्था

उत्तर–(घ) रैयतवारी व्यवस्था।

प्रश्न 6. 1917 के दौरान बिहार में नील खेतिहरों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा आंदोलन शुरू किया गया?

(क) बारडोली सत्याग्रह (ख) चंपारण सत्याग्रह
(ग) अहमदाबाद सत्याग्रह (घ) खेड़ा सत्याग्रह

उत्तर–(ख) चंपारण सत्याग्रह।

प्रश्न 7. दिए गए भारत के रेखा-मानचित्र पर 'B' रूपी पर्वत शृंखला की पहचान कीजिए–

(A) विंध्य (B) सतपुड़ा
(C) अरावली (D) खासी

www.neerajbooks.com

उत्तर–(क) विंध्य।

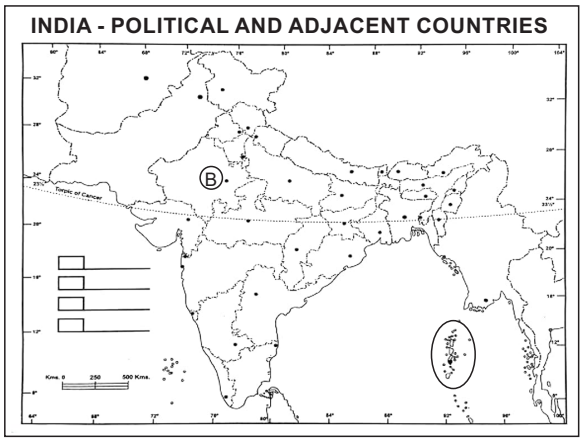

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 7 के स्थान पर है–

निम्नलिखित में से हिमालय की सबसे ऊँची पर्वत शृंखला है?

(क) हिमालय (ख) हिमाद्री
(ग) शिवालिक (घ) पूर्वांचल

उत्तर–(ख) हिमाद्री।

प्रश्न 8. दिए गए भारत के रेखा-मानचित्र पर 'C' रूपी द्वीप समूह की पहचान कीजिए–

(क) मालदीव (ख) अंडमान-निकोबार
(ग) लक्षद्वीप (घ) कैरिबियन

उत्तर–(ख) अंडमान-निकोबार।

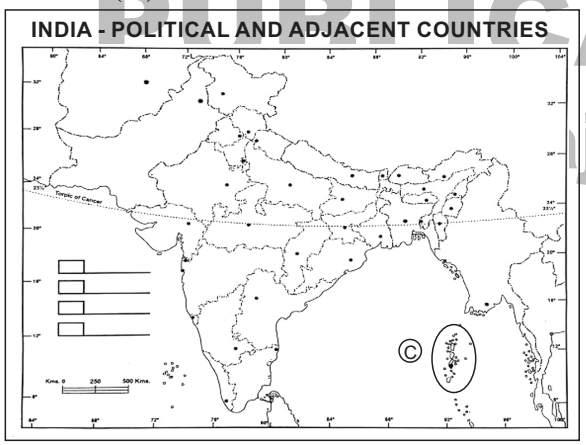

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 8 के स्थान पर है–

निम्नलिखित में से किस सागर में अंडमान-निकोबार स्थित है?

(क) लाल सागर (ख) अरब सागर
(ग) बंगाल की खाड़ी (घ) भू-मध्य सागर

उत्तर–(ग) बंगाल की खाड़ी।

प्रश्न 9. दिए गए भारत के रेखा-मानचित्र पर 'D' रूपी रेगिस्तान की पहचान कीजिए।

(क) सहारा (ख) थार
(ग) गोबी (घ) कालाहारी

उत्तर–(ख) थार।

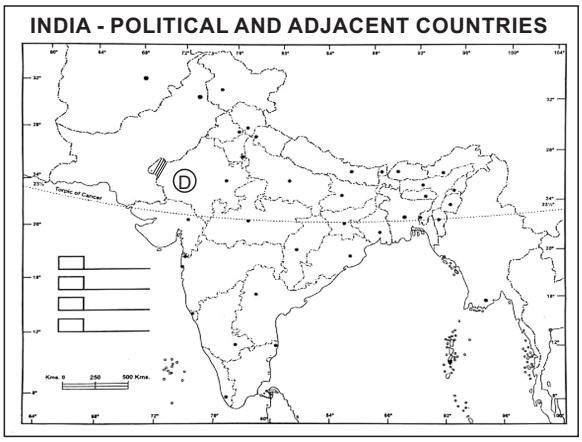

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9 के स्थान पर है–

भारत के निम्नलिखित भूगोलीय क्षेत्र में जनसंख्या सबसे कम है।

(क) लक्षद्वीप (ख) दिल्ली
(ग) उत्तर प्रदेश (घ) मध्य प्रदेश

उत्तर–(क) लक्षद्वीप।

प्रश्न 10. *(i)* भारत में सीमा सड़कों के रखरखाव के लिए कौन-सा संगठन जिम्मेदार है?

(क) जिला परिषद
(ख) राज्य लोक निर्माण विभाग (SPWD)
(ग) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI)
(घ) सीमा सड़क संगठन (BRO)

उत्तर–(घ) सीमा सड़क संगठन (BRO)।

अथवा

***(ii)* निम्नलिखित में से कौन-सा वर्गीकरण सड़क निर्माण में प्रयुक्त सामग्री द्वारा निर्धारित किया जाता है?**

(क) निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार इकाई के आधार पर वर्गीरण
(ख) सड़कों को पक्की और कच्ची में क्रमबद्ध करना
(ग) जिला सड़कों, राज्य राजमार्गों और राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में वर्गीकरण
(घ) सरकारी और निजी सड़कों के बीच अंतर करना

उत्तर–(ख) सड़कों को पक्की और कच्ची में क्रमबद्ध करना।

प्रश्न 11. *(i)* निम्नलिखित में से कौन-सी गैस ग्लोबल वार्मिंग में योगदान करती है?

(क) ऑक्सीजन (ख) कार्बन-डाई-ऑक्साइड
(ग) हाइड्रोजन (घ) नाइट्रस ऑक्साइड

उत्तर–(ख) कार्बन-डाई-ऑक्साइड।

अथवा

***(ii)* ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिक तंत्र को कैसे प्रभावित करती है?**

(क) जैव विविधता को बढ़ावा देकर
(ख) खाद्य शृंखलाओं को स्थिर करके

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

सामाजिक विज्ञान
(SOCIAL SCIENCES)

Based on **NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING – X**

मॉड्यूल–I भारत तथा विश्व विभिन्न युगों में
(INDIA AND THE WORLD THROUGH THE AGES)

सामाजिक विज्ञान की प्रस्तावना
(Introduction to Social Science)

0

NEERAJ PUBLICATIONS

पाठ का सार

सामाजिक विज्ञान को पढ़ने के बाद पता चलता है कि यह हमारे समाज से संबंधित है। इसका प्रमुख उद्देश्य समाज के प्रत्येक मुद्दे को हल करना है। इसके ज्ञान का दायरा बहुत बड़ा होता है और उसमें अनेक मुद्दे होते हैं। उनमें से कुछ मुद्दे हैं–इतिहास और ऐतिहासिक भवन, भूगोल, राजनीतिक विज्ञान, सामाजिक तथा अर्थशास्त्र।

इसके अनेक मुद्दे सामाजिक विज्ञान से संबंधित हैं। इसकी अनेक शाखाएं हैं, जो कई बार एक-दूसरे के साथ मिल सकती हैं। इसकी कुछ शाखाएं सामाजिक विज्ञान के साथ जुड़ी हैं, जैसे–अर्थशास्त्र, इतिहास एवं ऐतिहासिक भवन, भूगोल, राजनीतिक विज्ञान एवं मनोविज्ञान। विज्ञान और सामान्य विज्ञान अलग किए गए। दोनों विषय अलग-अलग चीजों को बताते हैं। पर्यावरण विज्ञान हमें संसार के विषय में बताता है तो सामाजिक विज्ञान हमें समाज और मनुष्यों के रहन-सहन के बारे में बताता है।

इतिहास का ज्ञान हमें अपने पूर्वजों की जड़ों तक, उनकी ताकत तथा उनकी उपलब्धियों के बारे में बताता है, जिनके बारे में हमें गर्व होता है और हमें आगे बढ़ने की दिशा प्राप्त होती है। ऐतिहासिक विज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो हमें भूतकाल के समाजों तथा संस्कृति के विषय में जानकारी देता है।

www.neerajbooks.com

भूगोल के बिना इतिहास और प्राचीन ज्ञान अधूरा रहता है। भूगोल वह ज्ञान है जो हमें उस संसार के विषय में बताता है, जहां हम रहते हैं। यह सामान्य के वास्तविक विज्ञान से जोड़ता है। भूगोल हमें अन्य विषयों का भी ज्ञान देता है। यदि हम किसी देश के भूगोल के विषय में ज्ञान प्राप्त करते हैं तो हम यह भी जान जाते हैं कि वहां के इतिहास में क्या हुआ है?

राजनीति शास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है जो राजनीति से हमें परिचित कराता है। समाजशास्त्र भी एक आवश्यक सामान्य विज्ञान का भाग है। समाजशास्त्र समाज को समझने तथा उसके काम करने के तरीके बारे में जानकारी देता है। इसमें जाति, लिंग की पहचान, संस्कृति, सभ्यता, धर्म और सरकार भी शामिल हैं। अर्थशास्त्र के अंतर्गत हम यह सीखते हैं कि हमें अपने जीवन को कैसे संगठित करना होता है। हमें कम खर्च में अपनी आय, समय और अन्य संचित कोष का प्रयोग करना आना चाहिए। अर्थशास्त्र एक ऐसी विद्या है जो मनुष्य को बनाना, प्रयोग करना व धन को प्रयोग करने में सहायता करता है।

हमने सीखा कि कैसे पत्थर युग में आग की खोज की, कैसे वे हथौड़े, चौपर और कुल्हाड़ी बनाकर छोटे पेड़ काटते थे तथा जानवरों का शिकार कर अपना जीवन यापन करते थे। वे मृत्यु के बाद अपने पूर्वजों की पूजा करते थे और दफनाते समय उनकी कब्र में औजार तथा खान-पान का सामान रखते थे ताकि वे दूसरे युग

www.neerajbooks.com

में आराम से जा सकें। कुछ समय बाद उन्होंने अपने औजार और तेज बनाने शुरू कर दिए।

वर्तमान युग में जीवन और भी आरामदायक हो गया है। पहिए की खोज और उसका हमारे जीवन में क्या महत्त्व है। खेतीवाड़ी ने मनुष्य के जीवन की दिशा ही बदल दी। अब मनुष्य ने एक जगह स्थायी रूप से औरों के साथ मिलकर रहना शुरू कर दिया। यह एक समाज की शुरुआत थी। धीरे-धीरे ये ग्राम, कस्बों और शहरों में विकसित होने लगे।

अब तक हम यह समझ पाए हैं कि कैसे हमने पत्थर युग से नवीन सभ्यता तक का सफर तय किया है। यह एक बहुत लम्बा सफर था, जिसमें हमने नई खोजें व अन्य परिस्थितियों का सामना किया और उनका लाभ प्राप्त किया। यद्यपि हमने बहुत उन्नति कर ली है, लेकिन अभी भी ऐसी अनेक समस्याएं हैं, जिनका हमें सामना करना है। ये समस्याएं निम्न प्रकार हैं–गरीबी व भुखमरी, धन का सामान्य विभाजन न होना, अपने देश के प्रति कम लगाव, वायु प्रदूषण, बेरोजगारी, जातिवाद, कर की चोरी, लिंग से संबंधित समस्याएं तथा भाषा, धर्म और आपसी भेदभाव आदि।

पाठगत प्रश्न-0.1

प्रश्न 1. उन सभी विषयों के बारे में लिखें जो सामान्य ज्ञान की जानकारी के लिए जरूरी हों।

उत्तर–सामान्य ज्ञान की जानकारी के लिए आवश्यक विषय हैं–अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनैतिक विज्ञान और समाजशास्त्र।

प्रश्न 2. क्या आप समझते हैं कि इतिहास को पढ़ना जरूरी है? दो उदाहरण सहित बताएं।

उत्तर–इतिहास को पढ़ने से हमें हमारे पूर्वजों, हमारी शक्ति तथा हमारी उपलब्धियों के बारे में जानकारी मिलती है तथा हमें सही दिशा का ज्ञान प्राप्त होता है।

प्रश्न 3. इतिहास और प्राचीन ज्ञान के बीच में एक अन्तर का एक उदाहरण दें।

उत्तर–इतिहास हमें हमारे पूर्वजों के बारे में बताता है जबकि प्राचीन ज्ञान हमें वैज्ञानिक तत्वों को समझाकर यह बताता है कि जो भवन आदि शेष हैं, उनका हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 4. पाँच स्रोतों को बताएं जो हमें अपना अतीत जानने में मदद करते हों।

उत्तर–शिलालेख, सिक्के, स्मारक, मुहरें और खोजे हुए स्थान हमें अपना अतीत जानने में सहायता करते हैं।

प्रश्न 5. कम-से-कम चार ऐसी प्राचीन इमारतों के बारे में जानें जो कि पाठ में दी हुई इमारतों से अलग हों।

उत्तर–हडप्पा, मोहनजोदड़ो, राखीगढ़ी, द्वारका और नालंदा।

पाठगत प्रश्न-0.2

प्रश्न 1. इतिहास को समझने में भूगोल कैसे सहयोग देता है?

उत्तर–जब हम किसी देश के भूगोल के बारे में जानते हैं तो हम यह भी जानकारी मिल जाती है कि वहां के इतिहास में क्या हुआ? इसलिए हम कह सकते हैं कि भूगोल वह ज्ञान है जो हमें उस संसार के बारे में बताता है जहां हम रहते हैं।

प्रश्न 2. राजनीति शास्त्र के मुख्य भाग लिखें।

उत्तर–राजनीति शास्त्र सामान्य ज्ञान की वह शाखा है जो किसी भी क्षेत्र की राजनैतिक जानकारी और उसके प्रभाव के संबंध में बताती है।

प्रश्न 3. समाजशास्त्र किस बात को दर्शाता है?

उत्तर–समाजशास्त्र वह विद्या है, जो मनुष्य की संस्कृति, सभ्यता, समाज में रहन-सहन आदि से परिचित कराती है।

प्रश्न 4. अर्थशास्त्र क्या है?

उत्तर–अर्थशास्त्र हमें धन के संग्रह से लेकर मनुष्य कैसे उसका उपयोग करता है, यह बताता है।

प्रश्न 5. आपके विचार से राजनीति शास्त्र, शास्त्र तथा अर्थशास्त्र हमारे समाज को विकसित करने में कैसे सहायता करता है?

उत्तर–ये सब चीजें परस्पर संबंध रखती हैं और सामान्य शास्त्र से मतलब रखती हैं।

पाठगत प्रश्न-0.3 क

प्रश्न 1. पूर्व युग के मनुष्य बंजारे क्यों कहलाते थे?

उत्तर–पूर्व युग के मनुष्य बंजारे इसलिए कहलाते थे क्योंकि वे भोजन की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमते रहते थे।

प्रश्न 2. पूर्व पाषाण युग तथा नवीन पाषाण युग में कम से कम दो अंतर बताएं।

उत्तर–नवीन पाषाण युग के बड़े औजार अधिक तीव्र और पॉलिश होने के कारण अधिक चलते थे, जबकि यह विशेषता पूर्व पाषाण युग के औजारों में नहीं थी।

प्रश्न 3. नव पाषाण युग की दो खोज बताएं।

उत्तर–नव पाषाण युग की खोज हैं–मिलीजुली खेती तथा पहिए की खोज।

प्रश्न 4. तीन ऐसी चीजें बताएं जिसका प्रभाव पहिए की खोज से आम मनुष्य के जीवन पर पड़ा होगा?

उत्तर–कुएं से पानी निकालने के लिए, सामान इधर से उधर ले जाने के लिए तथा बर्तन बनाने के लिए पहिए का प्रयोग किया गया होगा।

पाठगत प्रश्न-0.3 ख

प्रश्न 1. हम यह क्यों कहते हैं कि धातु युग के औजार पत्थर युग से बने औजारों से बेहतर होते हैं?

उत्तर–धातु के बने औजार पुराने औजारों से ज्यादा लाभदायक थे। धातु से बने चाकू तथा कुल्हाड़ी पेड़ काटने तथा खेती के लिए और जमीन साफ करने के लिए प्रयोग किए जाते थे।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

प्रश्न 2. उन तत्त्वों के बारे में लिखिए जो पूर्व मनुष्य थे, जिनसे एक जगह पर रुककर अपना जीवन बिताने लगे। उन तत्त्व का आज के युग में क्या महत्त्व है?

उत्तर–आग, पहिए तथा धातु की खोज एवं खेतीवाड़ी ने एक सामान्य जीवन बना दिया था। इन सभी वस्तुओं ने मनुष्य के आगे के जीवन को आरामदायक बना दिया।

प्रश्न 3. सामूहिक जीवन व धर्म का समाज पर क्या असर पड़ा था?

उत्तर–इसके द्वारा संयुक्त परिवार में रहने की परंपरा शुरू हुई, जिसके कारण सामान्य विश्वास, आपसी कार्य वही जैसे कि व्यापार, राजनैतिक एवं सुरक्षा आदि शुरू हुए। सामान ज्यादा सशक्त तथा अत्यधिक चलने वाले हो गए थे। इन सभी कारणों से कार्य क्षमता काफी बढ़ गई थी।

प्रश्न 4. पूर्व मनुष्य के जीवन में लोहे की खोज का क्या असर पड़ा?

उत्तर–इसके प्रयोग से मनुष्य के सामाजिक और आर्थिक जीवन में व्यापक बदलाव आया। लोहे के प्रयोग से परिवहन और संचार पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा, लोहे के हल और औजार के प्रयोग से पहिया और भी मजबूत हो गया। नए हथियार भी इसी युग की देन हैं। लौह युग बौद्धिक उन्नति का दौर भी था।

पाठगत प्रश्न-0.4

प्रश्न 1. मनुष्य की उन्नति के हर चरण से दो लक्षण बताएं।

उत्तर–शिकार युग में मनुष्यों ने अपने जीने के लिए जानवरों, पक्षियों, मछली का शिकार किया, लोगों का जीवन पहले के मुकाबले काफी सुरक्षित था, क्योंकि जानवरों की देखभाल करना शिकार करने से ज्यादा आसान था। गांव के जीवन के तहत मनुष्य खेतीवाड़ी की वजह से एक जगह रुककर रहने लगे। शहरी जीवन में लोग अपने काम के बदले अनाज लेते थे और उनके जीवन में काफी बदलाव आ गया था। धातुओं की खोज से उनके जीवन में और प्रगति हुई कुछ कारीगर दूसरों के मुकाबले ज्यादा कुशल थे।

प्रश्न 2. जानवरों के शिकार में पूर्व मनुष्य तथा आधुनिक मनुष्यों के बीच की भिन्नता बताएं।

उत्तर–पूर्व मनुष्य जानवरों का शिकार भोजन के लिए करते थे जबकि आधुनिक मनुष्य मनोरंजन के लिए करते हैं।

प्रश्न 3. ऐसी क्या परिस्थितियां थीं जिनकी वजह से शहरीकरण हुआ।

उत्तर–व्यापार, वाणिज्य तथा कानून व्यवस्था को बनाए रखने के कारण शहरीकरण की ओर अग्रसर होना पड़ा।

प्रश्न 4. लिखावट ने मनुष्य के जीवन की प्रगति में कैसे मदद की?

उत्तर–लेखा-जोखा रखना तथा अधिक दूर तक संचार करना।

पाठगत प्रश्न-0.5

प्रश्न 1. ऐसी कुछ समस्याओं के बारे में लिखें जो इस पाठ में नहीं बताई गई हों।

उत्तर–समाज के कमजोर तथा निर्धन वर्ग के खिलाफ अत्याचार एवं छोटी लड़कियों की शिक्षा।

प्रश्न 2. ऐसी समस्याओं जो सामान्य ज्ञान से संबंध रखती हैं। उनका हल बताएं।

उत्तर–सामान्य विज्ञान समस्त संसार के मानवीय पहलुओं का अध्ययन है। यह गहराई से वैज्ञानिक उपायों का उपयोग कर मानव व्यवहार के गुणात्मक और मात्रात्मक तरीके का मूल्यांकन करता है। यह समाज के सामाजिक विकास और उभरी हुई चुनौतियों को भी बताता है। इसमें सामान्य जन के लिए मानव संसाधन का प्रबंधन करना, वायू प्रदूषण को रोकना, अपने देश के प्रति नागरिकों में जाग्रति उत्पन्न करना, धन का सामान्य वितरण करना, रोजगार उत्पन्न करना आदि शामिल हैं।

प्रश्न 3. मनुष्य की सभ्यता के विकसित होने के साथ समाज में शहरीकरण तथा उपनगरीकरण की कुछ समस्याओं के बारे में बताएं।

उत्तर–मनुष्य ने काफी प्रगति कर ली है, लेकिन अभी भी कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जिनका मनुष्य को सामना करना है, जैसे–देश की उन्नति में रुकावट, अपने देश के प्रति कम लगाव, बेरोजगारी, गरीबी व भुखमरी तथा लिंग से संबंधित समस्याएं।

क्रियाकलाप-0.1

मुख्य नगर जैसे कि आगरा, नासिक, पटना और कोलकाता ऐसी ही बड़ी नदियों के तट पर बसे हुए हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इन सभी शहरों में इतिहास लिखा गया है। तीन ऐसे कारण बताएं कि ऐसे बड़े शहरों में व्यापार तथा संचालन कैसे बढ़ा?

उत्तर–1. लौह युग में परिवहन तथा संचार के साधनों विकास ने व्यापार तथा संचालन को बढ़ावा दिया।

2. पानी की उपलब्धता ने कृषि में सिंचाई की बेहतर व्यवस्था से उत्पादन में वृद्धि के कारण बसावट बढ़ी।

3. मशीनों की उपलब्धता के कारण उत्पादन बढ़ने से।

क्रियाकलाप-0.2

सोचिए कि आप एक ऐसी जगह जा रहे हैं, जहां पर बिजली नहीं है। वह एक ठंडी रात है और आपको डर लग

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

रहा है। विचारिए कि हमारे पूर्वजों ने अपने आपको गर्म रखने के लिए क्या किया होगा? अब आप तीन तरीके बताएं जिसमें आप अपने आपको गर्म रख सकें।

उत्तर–पूर्वज जानवरों की खाल पहनकर, आग जलाकर तथा गुफाओं में छिपकर अपने आपको गर्म रखते थे।

1. आग जलाकर, 2. गर्म कपड़े पहनकर तथा 3. घर के अन्दर रहकर।

क्रियाकलाप-0.3

जैसे-जैसे आप पढ़ते गए होंगे आपने जाना होगा कि कैसे मनुष्य ने पूर्व पत्थर काल से नए पत्थर युग तक उन्नति की।

पूर्व मनुष्य से वर्तमान मनुष्यों की तुलना इन शब्दों को लेकर कीजिए। जैसे–आग, औजार, कृषि, मिली-जुली खेती, पहिये, धर्म और रहन-सहन तथा वातावरण।

उत्तर–आग–पूर्व मनुष्य आग का प्रयोग रोशनी तथा भोजन बनाने के लिए करते थे, जबकि वर्तमान में मनुष्य आग के चारों ओर बैठकर सर्दी के आनंद के लिए भी करता है।

औजार–पूर्व मनुष्यों के औजार पत्थरों से बनाए हुए तथा कम धारदार थे, लेकिन वर्तमान औजार लौह से निर्मित तथा अत्यधिक तीव्र धारदार हैं।

कृषि–पूर्व में खेतीवाड़ी केवल भोजन तक सीमित थी, लेकिन वर्तमान में कृषि से भोजन के साथ-साथ व्यापार में भी प्रयोग किया जाता है।

मिली-जुली खेती–पूर्व में मनुष्य केवल भोजन के लिए मिलजुलकर खेती करते थे, लेकिन वर्तमान में मनुष्य व्यापार के लिए भी उत्पादन होता है।

पहिये–पूर्व में पहिये का प्रयोग कुएं से पानी निकालना, गाड़ी खींचना, मिट्टी के बर्तन बनाना होता था लेकिन वर्तमान में पहिये का प्रयोग परिवहन के लिए अत्यधिक किया जाता है।

धर्म–पूर्व में मनुष्यों को अनहोनी का भय रहता था, इसलिए वे चांद, तारे, सूर्य तथा अपने पूर्वजों को भी पूजते थे। वे मृत्यु के बाद उनकी कब्र में खाने-पीने का सामान भी रखते थे, जिससे वे आगे का सफर आराम से कर सकें, लेकिन वर्तमान में मनुष्य ने धर्म से अंधविश्वास को अलग कर दिया है।

रहन-सहन एवं वातावरण–पूर्व में मनुष्य गुफाओं में, पेड़ों तथा जंगलों में रहते थे तथा दूषित वातावरण था, लेकिन वर्तमान में मनुष्य ने रहन-सहन में काफी विकास किया है तथा स्वच्छ वातावरण में भी काफी बदलाव आया है।

पाठान्त प्रश्न

प्रश्न 1. सामान्य ज्ञान कैसे अन्य शास्त्रों से संबंधित है उदाहरणों के साथ समझाएं।

उत्तर–शिक्षा के क्षेत्र में अनेक ऐसी शाखाएं हैं, जो हमें विद्या के कई स्तर अग्रिम शिक्षा का अध्ययन कराती हैं। इसकी कुछ प्रमुख शाखाएं सामाजिक विज्ञान से जुड़ी हुई हैं, वे हैं–अर्थशास्त्र, इतिहास एवं ऐतिहासिक भवन, भूगोल, राजनैतिक विज्ञान एवं मनोविज्ञान। प्रारंभ में केवल एक ही विषय था, दर्शनशास्त्र। इसका अर्थ है ज्ञान और उस विषय पर जानकारी। इसके बाद जब जानकारी में वृद्धि हुई तो आवश्यकता हुई कि हम इनकी शाखा अलग करें, इसलिए विज्ञान और सामान्य विज्ञान अलग किए गए। दोनों विषय अलग-अलग बातों को बताते हैं। पर्यावरण विज्ञान वातावरण के बारे में बताता है तो सामाजिक विज्ञान हमें समाज और मनुष्यों के रहन-सहन के बारे में बताता है।

प्रश्न 2. क्या आप सोचते हैं कि इतिहास का पाठ्यक्रम जरूरी है? अपने विचारों के साथ लिखिए।

उत्तर–इतिहास का अध्ययन हमें हमारे पूर्वजों की जड़ों, उनकी ताकत तथा उनकी उपलब्धियों के विषय में बताता है, जिन पर हमें गर्व होता है तथा उनसे हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। हमारी उपलब्धियों की जब तक हमें पूर्ण जानकारी नहीं होगी, तब तक हम इतिहास को समझ नहीं पाएंगे। इतिहास हमारे जीवन में वर्तमान और भविष्य में काफी महत्त्व रखता है। इसका अत्यधिक प्रभाव नर एवं मादा के जीवन का अपनी जिन्दगी में वृद्धि का कारण बन सकता है। यदि हमें अपने भूत के बारे में जानना है तो हमें इतिहास का अध्ययन करना जरूरी है।

प्रश्न 3. इतिहास तथा शिल्पकारी में क्या संबंध है?

उत्तर–इतिहास हमें बताता है कि कैसे मनुष्य ने अपने जीवन को खुशहाल बनाया। जबकि गृह शिल्पियों द्वारा उन सब इमारतों, लोगों की कब्र, टूटी हुई इमारतें और शिल्पियों के बारे में हमें ज्ञान दिया। गृहशिल्पी हमें वैज्ञानिक तत्वों को समझकर यह बताता है कि कैसे जो भवन आदि शेष हैं उससे हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 4. मनुष्य के समाजीकरण के लिए अन्य ज्ञान सामान्य विज्ञान से कैसे संबंधित है?

उत्तर–मनुष्य के समाजीकरण के लिए अन्य ज्ञान सामान्य विज्ञान से निम्न प्रकार संबंधित है–

1. मनुष्य की बुनियादी जरूरतों-भोजन, कपड़ा और आश्रय आदि में मदद।

2. शिक्षा की महत्ता पर समुचित बल दिया जा सकता है, क्योंकि यह मानव सभ्यताओं के विकास का आधार है।

3. यह ज्ञान को आने वाली पीढ़ियों में पारित करने के लिए जरूरी है।

4. विशेष समयावधि में भौगोलिक/क्षेत्रीय ऐतिहासिक घटनाओं और विकास का अध्ययन किया जा सकता है।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com